Volume-5, Issue-11, November - 2016 • ISSN No 2277 - 8160 IF : 3.62 | IC Value 70.36

Original Research Paper Economics

छत्तीसगढ़ में साक्षरता दर की स्थिति – एक अध्ययन (पड़ोसी राज्यों के तुलनात्मक संदर्भ में)

डॉ. महिमाती सालेन टोप्पो

सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभाग शासकीय काव्योपाध्याय हीरालाल महाविद्यालय अभनपुर, जिला – रायपुर

ABSTRACT वर्तमान समय में वहीं देश सामाजिक व आर्थिक विकास कर सकता है । जहाँ की अधिकांश जनसंख्या साक्षर व शिक्षित हो । साक्षरता से ताप्तर्य उन व्यक्तियों से है जो किसी भी भाषा में पढ़ एवं लिख सके । साक्षरता एक ऐसा साधन है, जिसके माध्यम से मानव समाज में चेतना जागृत कर उसकी कार्यकुशलता में वृद्धि की जा सकती है । शिक्षा और विकास एक ही सिक्के के दो पहूल है । इन्हें एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है । शिक्षा के माध्यम से आधुनिकीकरण और विकास के लिए सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक परिदृश्य में अपेक्षित परिवर्तन किया जा सकता है क्योंकि शिक्षा मानव में सद्गुणों को समाहित कर गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करती है । मानवीय संसाधन का पूर्ण विकास चरित्र निर्माण और देश के चहुँमुखी विकास के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण घटक है । भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में पुरूषों की अपेक्षा स्त्रियों की सारक्षता दर का प्रतिशत कम पाया गया है । अब देश में पुरूषों के समान ही स्त्रियों को विकास का अवसर दिया जा रहा है । फलस्वरूप स्त्रियों की साक्षरता दर में वृद्धि हो रही है ।

KEYWORDS :

प्रस्तावना :–

किसी भी राज्य में वहाँ की कुशल एवं शिक्षित मानव शक्ति अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करती है। साक्षरता एवं राज्य के सामाजिक–आर्थिक विकास में धनात्मक सहसंबंध पाया जाता है। यह न केवल सामाजिक–आर्थिक विकास की प्रक्रिया में सहायक होती है। यह लोगों में प्राचीन रूढ़िगत परंपराओं की बुराईयों को दूर करने की क्षमता तथा आधुनिक जीवन पद्धति को अपनाने में जागरूकता उत्पन्न करती है। शर्मा एवं मैथानी (1990)[1] साक्षरता किसी क्षेत्र के सामा. जार्थिक विकास का सूचक है। सिन्हा (1996)[2] शिक्षा एक ऐसा साधन है, जिसके सहारे व्यक्ति और समाज में चेतना जागृत कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की जा सकती है, ताकि समयानुरूप दोनों का विकास संभव हो सके। त्रिपाठी (1993)3 मानव संसाधन के उच्चतम विकास को निर्धारित करने के लिए साक्षरता एक बहुमूल्य तथ्य है। श्रीनिवास एवं दुबे, योगेंद्र सिंह (1991) ने शिक्षा, परिवहन, तकनीक तथा संचार के साधनों को ग्रामीण समुदाय में परिवर्तन एवं विकास का कारक माना है। प्रो. गोलब्रेथ, बेकर, डेनिसन के अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि अमेरिका अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास में अनेक साधनों के अलावा शिक्षा पर किए जाने वाले व्यय का सर्वाधिक योगदान है। शिक्षा पर किए गए एक डालर व्यय की उत्पादकता बांधो, सड़कों, नहरों व कारखानों पर किए गए एक डालर व्यय की उत्पादकता से अधिक होती है।

अध्ययन का उद्देश्य :–

प्रस्तुत शोध पत्र में छत्तीसगढ़ के साक्षरता दर का अध्ययन किया गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के साक्षरता दर का अन्य पड़ोसी राज्यों के साथ तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

अध्ययन पद्धति :–

प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीयक समंको का प्रयोग किया गया है। छत्तीसगढ़ की जनसंख्या जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार 2,55,40,196 है, जिसमें ग्रामीण जनसंख्या 1,96,03,658 तथा शहरी जनसंख्या 59,36,538 है। अर्थात शहरों में केवल 23.24 प्रतिशत जनसंख्या ही निवास करती है। छत्तीसगढ़ की समग्र साक्षरता दर 2011 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार 71.04 प्रतिशत है। पिछली जनगणना के आधार पर इनमें 5.86 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। छत्तीसगढ़ में आज 81.45 प्रतिशत पुरूष तथा 60.59 प्रतिशत महिलाएँ साक्षर हैं। छत्तीसगढ़ में हजारों कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। इनमें से कुछ ऐसे हैं, जो दूर दराज के गांवों में साक्षरता वृद्धि के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्यरत हैं। पिछले दशक में ग्रामीण साक्षरता के साथ ही साथ महिला साक्षरता में भी पर्याप्त वृद्धि हुई है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार छत्तीसगढ़ की साक्षरता दर की स्थिति का अवलोकन तालिका क्रमांक–01 से किया जा सकता है।

तालिका क्रमांक –01

छत्तीसगढ़ के जिलों की साक्षरता दर

(राज्य की औसत साक्षरता दर 04.71 प्रतिशत से अधिक है)

क्र.	जिला	कुल	पुरूष	स्त्री
1	दुर्ग	79.69	88.80	70.51
2	धमतरी	78.95	88.84	69.24
3	राजनांदगांव	78.97	87.19	68.98
4	रायपुर	76.43	86.53	66.21
5	रायगढ़	73.75	84.17	63.26
6	जांजगीर–चांपा	73.70	85.89	61.72
7	कोरबा	73.22	83.88	62.26
8	बिलासपुर	71.59	82.77	60.12
9	महासमुन्द	71.84	83.01	60.37
10	कोरिया	71.41	81.52	61.01

स्त्रोत :– जनगणना, छत्तीसगढ़ 2011

तालिका से स्पष्ट है कि राज्य की औसत साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत से अधिक 10 जिलें हैं। इन जिलों में कुल साक्षरता दर तथा स्त्री साक्षरता दर की दृष्टि से दुर्ग जिला सबसे ऊपर है। पुरूष साक्षरता दर की दृष्टि से धमतरी जिला सबसे ऊपर है।

संपूर्ण राज्य की औसत साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत से कम साक्षरता वाले जिलों की स्थिति तालिका क्रमांक–02 में दी गई है।

तालिका क्रमांक –02

छत्तीसगढ़ के जिलों की साक्षरता दर

¼ vkSlr lk{kjrk nj 04-71 ifr”kr ls de okys ftys½

जनगणना वर्ष	कुल	पुरूष	स्त्री	दशकीय परिवर्तन दर
1961	18.14	30.16	6.98	–
1971	24.08	37.13	10.99	5.94
1981	41.38	47.44	17.67	17.30
1991	42.91	58.07	27.52	1.53
2001	65.18	77.86	52.40	22.27
2011	71.04	81.45	60.50	5.86

स्त्रोत :– जनगणना 2011

तालिका से स्पष्ट है कि राज्य के आठ जिले औसत साक्षरता दर से नीचे हैं। इन जिलों में कुल साक्षरता, पुरूष साक्षरता, स्त्री साक्षरता के प्रतिशत की दृष्टि से उत्तर बस्तर कांकेर जिला सबसे उपर है। सबसे कम साक्षरता प्रतिशत बीजापुर जिले में पाया गया है।

तालिका क्रमांक –03

छ.ग. में जनगणना वर्ष 1961 से 2011 तक साक्षरता दरें

जनगणना वर्ष	कुल	पुरूष	स्त्री	दशकीय परिवर्तन दर
1961	18.14	30.16	6.98	–
1971	24.08	37.13	10.99	5.94
1981	41.38	47.44	17.67	17.30
1991	42.91	58.07	27.52	1.53
2001	65.18	77.86	52.40	22.27
2011	71.04	81.45	60.50	5.86

स्त्रोत :– भारत की जनगणना 1961, 1971, 1981, 1991, 2001, 2011

ऊपर दी गई सारणी से यह महत्वपूर्ण तथ्य उभर कर आया है कि वर्ष 1991 से 2001 के बीच साक्षरता दर में अन्य जनगणनाओं की अपेक्षा अधिक वृद्धि हुई है। इसका अर्थ यह है कि इस दशक में साक्षरता की दिशा में ठोस और विशेष प्रयत्न किए गए हैं। इसे इस तरह से समझा जा सकता है।

- वर्ष 1991 से 2001 के बीच कुल साक्षरता दर में (65.18–42.91= 22. 27) प्रतिशत की दशक वृद्धि दर्ज हुई है। यह वृद्धि 1961 से 2011 के बीच सबसे अधिक है।
- वर्ष 2011 की जनगणना में औसत साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत से अधिक प्रतिशत दर्ज कराने वाले 10 जिले – दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव, रायपुर, रायगढ़, जांजगीर–चांपा, कोरबा, बिलासपुर, महासमुन्द और कोरिया है।
- वर्ष 2011 की जनगणना में औसत साक्षरता दर 71.04 से कम साक्षरता वाले 8 जिले– उत्तर बस्तर कांकेर, जशपुर, कबीरधाम, सरगुजा, बस्तर, नारायणपुर, दक्षिण बस्तर कांकेर, बीजापुर है।
- कुल साक्षरता तथा महिला साक्षरता की दृष्टि से दुर्ग जिला 79.69 तथा 70.51 प्रतिशत के आधार पर सबसे शिखर पर तथा बीजापुर सबसे नीचे है, जिसकी कुल साक्षरता दर 41.58 प्रतिशत है।

छत्तीसगढ़ की पड़ोसी राज्यों की साक्षरता दर से तुलना

छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्यों की साक्षरता प्रतिशत दर तुलना करने पर स्थिति इस प्रकार सामने आती है :–

तालिका क्रमांक –04

पड़ोसी राज्यों में साक्षरता दर % में

राज्य	कुल	पुरूष	स्त्री
छत्तीसगढ़	71.04	81.45	60.59
महाराष्ट्र	82.34	88.38	69.87
उड़ीसा	72.87	81.59	62.46

Volume-5, Issue-11, November - 2016 • ISSN No 2277 - 8160

मध्यप्रदेश	69.32	78.73	54.59
उत्तरप्रदेश	67.68	77.28	51.36
आंध्रप्रदेश	67.02	74.88	58.68
झारखण्ड	66.41	76.84	52.04

स्त्रोत :– भारत की जनगणना 2011

2011 की जनगणना से यह स्पष्ट होता है कि छत्तीसढ़ के पड़ोसी राज्यों में महाराष्ट्र तथा उड़ीसा की साक्षरता प्रतिशत की तुलना में छत्तीसगढ़ अभी भी पीछे है– कुल साक्षरता, पुरूष साक्षरता तथा स्त्री साक्षरता सभी दृष्टि से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र तथा उड़ीसा से पीछे है।

किंतु छत्तीसगढ़ में दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव, रायपुर ऐसे जिलें हैं जहां की साक्षरता दर कुल, पुरूष, स्त्री सभी दृष्टि से भारत की साक्षरता दर से अधिक है।

निष्कर्ष :–

अतः इस सभी स्थिति का अवलोकन करने से यह स्पष्ट होता है कि छत्तीसगढ़ में 1991 से 2001 के बीच साक्षरता दर में जो वृद्धि हुई थी, उस अनुपात में 2001 से 2011 के बीच साक्षरता दर में वृद्धि नहीं हुई है। अभी छत्तीसगढ़ को देश व विश्व स्तर पर आने के लिए इस दिशा में थोड़ी और तेजी लाने की आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के विकास हेतु विभिन्न सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। सरस्वती साइकिल योजना, छात्रावासों की संख्या में वृद्धि, मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना, बालिका शिक्षा हेतु विशेष सुविधाएँ, निःशुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तकें, आदि अन्य सुविधाएँ प्रदान की जा रही है।

आशा है छत्तीसगढ़ 2011–2021 के दशक में इस दिशा में अच्छी प्रगति कर विश्व के समक्ष अपने को खड़ा कर गौरवान्वित महसूस कर सकेगा।

REFERENCES :-

1 शर्मा, ए और मैथानी, डी.डी. (1990) – ''गढ़वाल हिमालय में जनसंख्या की प्रवृत्ति'' उत्तर भारत भूगोल पत्रिका, गोरखपुर, अंक 26, संख्या 1 और 2 पृष्ठ–60

2 सिन्हा, के.डी. (1996) – ''साक्षरता और प्रौढ़ शिक्षा'' योजना, वर्ष 40, अंक 8, पृष्ठ– 32

3 त्रिपाठी एस. (1993) – '' उत्तर प्रदेश में महिला साक्षरता–विकास के संदर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन, शोध प्रबंध, कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर, पृष्ठ–1

4 जनगणना 2011.